

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II--बाव्य 3--उप-वाव्य (ii)

PART II -- Section 3 -- Sub-section

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 228] नई बिल्ली, बृहस्पतिबार, मई 31, 1979/उपोध्ड 10, 1901 No. 228] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 31, 1979/JYAISTHA 10, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सबे।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विश्वि, स्थाब और कम्पनी कार्च मंत्रालय

(ग्याय विभाग)

अधिसूचना

नई फ़िल्ली, 31 मई, 1979

का. आ. 325 (अ).—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिस्थित किया जाता कि कि विक्रिती उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायम्दित ने, त्रिशेष न्यायालय अधिनियम, 1979 (1979 का 22) की धारा 3 की उपधारा (2) के अनुसरण में, भारत के मुख्य स्थायमूर्ति की सहपति सं,

(क) फिल्ली उच्च न्यायालय के सेवारत न्यायाधीश, श्री मिहन्द्र सिंह जोशी को एंसे न्यायाधीश के रूप में नामनिधिकट किया है जिनसे भारत सरकार के विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय के न्याय विभाग की अधिसूचना सं. का. आ. 323 (अ) तारीख 30 मर्ड, 1979 द्वारा नर्ड विल्ली में स्थापित विशेष न्यायालय सं. 1 गीठत होगा, और

(स) दिल्ली उच्च न्यायालय के सेवारत न्यायाधीश, श्री मांगी लाल जैन को एसे न्यायाधीश के रूप में नामीनिर्दृष्ट किया है जिनसे उक्त अधिसूधना द्वारा नई दिल्ली में स्थापित विशेष न्यायालय सं. 2 गठित होगा।

[फा. सं. 33/4/79 न्याय]

लक्ष्मण पास हिंची, उप सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

New Delhi, the 31st May, 1979

NOTIFICATION

- 5.0. 325 (E).—It is hereby notified for the information of the general public that the Chief Justice of the High Court of Delhi has, with the concurrence of the Chief Justice of India, nominated, in pursuance of sub-section (2) of section 3 of the Special Courts Act, 1979 (22 of 1979)—
 - (a) Shri Justice Mohinder Singh Joshi, a sitting Judge of the High Court of Delhi as the Judge of whom the Special Court No. 1 established at New Delhi by the notification of the Government of India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Justice) No. 33/4/79-Jus dated 30th May, 1979 shall consist; and
 - (b) Shri Justice Mangi Lal Jain, a sitting Judge of the High Court of Delhi, as the Judge of whom the Special Court No. 2 established at New Delhi by the said notification, shall consist.

[F. No. 33/4/79-Jus.]

L. D. HINDI, Dy. Secy.